डीडब्ल्यूईडी

महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा कार्यक्रम

(डी.डब्ल्यू.ई.डी.)

सत्रीय कार्य 1 से 4

जुलाई 2018 एवं जनवरी 2019 सत्रों में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

जमा कराने की अंतिम तिथि

जुलाई 2018 सत्र : फरवरी 1, 2019
जनवरी 2019 सत्र : अगस्त 1, 2019

(1) जेंडर प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य (बी.डब्ल्यू.ई.एफ.–002)

(2) संगठन और नेतृत्व (बी.डब्ल्यू.ई.ई.–006)

(3) कार्य और उद्यमशीलता (बी.डब्ल्यू.ई.ई.–007)

(4) ऋण और वित्त (बी.डब्ल्यू.ई.ई.–008)

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

जेंडर एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

विशेष ध्यान देने योग्य बात :

यह बात सामने आई है कि कुछ छात्र बोध प्रश्नों के अभ्यासों के उत्तर विश्वविद्यालय को मूल्यांकन के लिए भेज रहे हैं। कृपया इन्हें मत भेजिए। ये अभ्यास आपको स्वयं अपनी प्रगति का निर्णय करने में सहायता करने के लिए दिए गए हैं। इस उद्‌देश्य के लिए हमने प्रत्येक इकाई के अंत में इन अभ्यासों के उत्तर दिए हैं।

अपने उत्तर पत्रक भेजने से पहले कृपया यह सुनिश्चित कर लें कि आपने निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा है :

- आपने अपनी नामांकन संख्या, नाम और पता सही–सही लिखा है।
- पाठ्‌यक्रम का शीर्षक और सत्रीय कार्य की संख्या स्पष्ट रूप से लिखी है।
- प्रत्येक पाठ्‌यक्रम का प्रत्येक सत्रीय कार्य अलग–अलग पत्रकों/शीटों पर लिखा है और उन्हें सही ढंग से बाँध दिया है।
- सत्रीय कार्यों के सभी प्रश्नों के उत्तर लिख दिए हैं।

अब, प्रश्नों के उत्तर देने से पहले यह निर्देश पढ़ लें।

ध्यान रखने योग्य बिंदु

1) **योजना बनाना** : सत्रीय कार्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। उन इकाइयों का अध्ययन करें जिन पर ये सत्रीय कार्य आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ बातें नोट कर लें और तत्पश्चात् उन्हें तर्कसंगत क्रम से व्यवस्थित करें।

2) **व्यवस्थापन** : अपने उत्तरों की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले उनके चयन और विश्लेषण पर थोड़ा अधिक ध्यान दें। निबंध जैसे किसी प्रश्न का उत्तर देते समय

प्रस्तावना और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। प्रस्तावना में संक्षेप में प्रश्न की व्याख्या करें और बताएँ कि आप विस्तार से इसे स्पष्ट करेंगे। निष्कर्ष में आपको प्रश्न के उत्तर का सारांश प्रस्तुत करना चाहिए।

यह सुनिश्चित करें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है।

ख) उत्तर के वाक्यों और अनुच्छेदों/पैराग्राफों के बीच स्पष्ट संबंध है।

ग) आपने अपनी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति को उपयुक्त महत्व देते हुए उत्तर सही–सही लिखा है।

3) **प्रस्तुति** : जब आपको अपने उत्तर संतोषजनक लगें तो आप उन्हें भेजने के लिए अंतिम रूप देकर लिख लें। प्रत्येक उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित करें।

महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा कार्यक्रम

कार्यक्रम कोड : (डी.डब्ल्यू.ई.डी.)

प्रिय विद्यार्थी,

आशा है कि अध्ययन के ये पाठ्यक्रम आपको रुचिकर लग रहे होंगे। सत्रीय कार्यों को सुव्यवस्थित रूप से करने के लिए निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

निर्देश

सत्रीय कार्यों को करने से पहले कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :

1) कार्यक्रम दर्शिका में सत्रीय कार्यों के बारे में दिए गए विस्तृत निर्देशों को पढ़िए।

2) अपने उत्तर पत्रक (पत्रकों) के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर दाहिने कोने पर अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और तारीख लिखें।

3) अपने उत्तर पत्रक (पत्रकों) के पहले पृष्ठ के मध्य में पाठ्यक्रम शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और उस अध्ययन केंद्र का नाम लिखें, जिससे आप संबद्ध हैं।

आपके उत्तर पत्रक के पहले पृष्ठ का सबसे ऊपरी भाग ऐसा होना चाहिए :

पाठ्यक्रम का शीर्षक	नामांकन संख्या ....
सत्रीय कार्य संख्या	नाम ....
अध्ययन केंद्र	पता ....
	....
तारीख	

---

4) अपना उत्तर लिखने के लिए केवल फुलस्केप कागज का प्रयोग करें और सभी पृष्ठों को सावधानीपूर्वक बाँध दें।

5) प्रत्येक उत्तर के साथ उसकी प्रश्न संख्या लिखें।

6) अपनी लिखावट में ही लिखें।

7) प्रस्तुतिः सत्रीय कार्य को पूरा करके उसे अपने अध्ययन केंद्र के संचालक को भेजें।

जेंडर प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य
(बी.डब्ल्यू.ई.एफ.–002)
सत्रीय कार्य 1
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य–1)

पाठ्यक्रम कोड : बी.डब्ल्यू.ई.एफ.–002
सत्रीय कार्य कोड : बी.डब्ल्यू.ई.एफ.–002 / टीएमए–1 / 18–19

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. जेंडर प्रशिक्षण प्रक्रिया के मुख्य चरणों की चर्चा, उदाहरण देते हुए कीजिए। (10)

2. शहरी स्लम के विकास कामगारों के जेंडर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आप किस किस्म की विषयवस्तु को सम्मिलित करना चाहेंगे? पहचान कीजिए। लक्ष्य समूह को इस विषयवस्तु को संप्रेषित करने के लिए आप कौन सी दो सहभागितापरक विधियों का चयन करेंगे? कारण दीजिए। (10)

3. किन्हीं पाँच स्थितियों का वर्णन कीजिए। जिनके तहत आप जेंडर प्रशिक्षण के संवर्धन या उन्नयन के लिए गैर–प्रक्षिप्त सहायक सामग्रियों का प्रयोग करना चाहेंगे? (10)

4. ग्राम विकास कामगारों के लिए जेंडर प्रशिक्षण सत्र का संचालन करते समय ध्यान में रखने योग्य कारक कौन से हैं? उचित उदाहरण देते हुए समझाइए। (10)

5. किन्हीं तीन पीआरए विधियों की चर्चा कीजिए जो खासतौर पर महिला स्व सहायता समूहों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं के आकलन में इनके अनुप्रयोग की दृष्टि से संबंधित हों? (10)

6. समुदाय महिला नेताओं के लिए जेंडर प्रशिक्षण सत्रों हेतु अंतर्वस्तु (Content) क्षेत्रों की सूची की प्रस्तुति कीजिए। इन अंतर्वस्तु क्षेत्रों में से सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र कौन सा होगा? (10)

7. बालिका शिक्षा के बारे में अभिवृत्ति की पहचान करने पर आयोजित प्रशिक्षण सत्र की साधारण सत्र योजना दीजिए। (10)

8. जोहरी विंडो का वर्णन कीजिए। क्या इसका प्रयोग व्यक्ति–विशेष महिलाओं के लिए परामर्शी सत्रों के नियोजन एवं आयोजन के लिए किया जा सकता है? उचित उदाहरण दीजिए। (10)

9. प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागियों के सामान्य समस्या व्यवहार क्या हैं? इन्हें नियंत्रित कैसे किया जा सकता है? (10)

10. ऐसे पाँच तरीके बताइए जिनके तहत जेंडर प्रशिक्षण महिला सशक्तीकरण एवं विकास में योगदान दे सकता है। (10)

संगठन और नेतृत्व
(बी.डब्ल्यू.ई.ई.–006)
सत्रीय कार्य 2
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य–1)

पाठ्यक्रम कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–006
सत्रीय कार्य कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–006/टीएमए–1/18–19

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1 से 5 तक के प्रत्येक प्रश्न दस–दस अंक के हैं। प्रश्न 6 के 50 अंक हैं और इसका उत्तर देने के लिए आपको व्यावहारिक रूप से उन सिद्धांतों को लागू करना होगा जिनका अध्ययन आपने पाठ्यक्रम की प्रशिक्षण इकाइयों में किया है।

1. स्व सहायता समूहों की महिला सदस्यों का संगठन और नेतृत्व के पहलुओं में प्रशिक्षित क्यों किया जाना चाहिए? सविस्तार लिखिए। (10)

2. किन्हीं दो अंतर्वस्तु क्षेत्रों का वर्णन कीजिए जिन्हें आप ''स्व सहायता समूहों में महिला नेताओं को बढ़ावा देने'' पर आयोजित जेंडर प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित करना चाहेंगे? (10)

3. ''महिला स्व सहायता समूहों में लीडरों की क्षमताओं को बेहतर बनाने पर'' सहभागियों को प्रशिक्षित करने के संबंध में आप किन दो प्रशिक्षण सहायता सामग्रियों का इस्तेमाल करना चाहेंगे? संबद्ध अंतर्वस्तु क्षेत्रों के अनुरूप सहायता सामग्री का चयन करें। (10)

4. किन्हीं तीन विधियों की सूची बनाइए जिनका प्रयोग आप सूक्ष्म उद्यमों में महिला सहभागिता के महत्व को बढ़ावा देने पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए करना पसंद करेंगे? ऐसी किसी एक विधि का सविस्तार वर्णन कीजिए। (10)

5. महिला विकास हेतु समुदाय आधारित गतिविधियों में सभी स्व सहायता समूह सदस्यों की प्रभावी सहभागिता को प्रोन्नत करने हेतु कार्यनीतियों का सुझाव दीजिए। (10)

6. महिला स्व सहायता समूहों के महत्व को बढ़ावा देने पर आयोजित प्रशिक्षण सत्र की योजना तैयार कीजिए। निम्नलिखित की सविस्तार जानकारी दीजिए :
   - (क) चयनित लक्ष्य समूह और प्रशिक्षण आवश्यकता निर्धारण संबंधी प्रयुक्त साधन/विधियाँ (10)
   - (ख) सत्र के उद्देश्य (5)
   - (ग) सम्मिलित किए जाने वाले अंतर्वस्तु क्षेत्र (10)
   - (घ) पृष्ठभूमि/ सत्र से पहले या सत्र के दौरान परिचालित/प्रयुक्त /प्रशिक्षण सामग्रियाँ – इनकी अंतर्वस्तु एवं प्रयोग (10)
   - (ड.) प्रशिक्षण की चयनित विधियाँ (10)
   - (च) प्रत्युत्तर प्राप्त करने की विधियाँ (10)

कार्य और उद्यमशीलता
(बी.डब्ल्यू.ई.ई.–007)
सत्रीय कार्य 3
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य–1)

पाठ्यक्रम कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–007
सत्रीय कार्य कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–007/टीएमए–1/18–19

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1 से 5 तक के प्रत्येक प्रश्न 10 अंक हैं। प्रश्न 6 के 50 अंक हैं और पाठ्यक्रम की प्रशिक्षण इकाइयों के अध्ययन से आपने जिन सिद्धांतों का अध्ययन किया है, उन्हें इस प्रश्न का उत्तर देते समय आपको व्यावहारिक रूप से लागू करने की आवश्यकता है।

1. महिला किसानों के कामकाजी भारी बोझ को मान्यता देने के नज़रिए से हम प्रशिक्षण कार्यक्रम के सहभागियों को इस योग्य कैसे बना सकते हैं? सविस्तार लिखिए। (10)

2. ''उद्यम संबंधी कौशलों और सक्षमताओं की पहचान करने और इनके महत्व को बढ़ावा देने'' पर आयोजित जेंडर प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित किए जाने की दृष्टि से अपनी पसंद के किन्हीं दो अंतर्वस्तु क्षेत्रों का वर्णन कीजिए। (10)

3. महिला उद्यमियों के सम्मुख आने वाले अवरोधों की पहचान के बारे में सहभागियों को प्रशिक्षित करने हेतु आप किन दो प्रशिक्षण सहायक सामग्रियों का प्रयोग करेंगे? (10)

4. किन्हीं तीन विधियों की सूची बनाइए जिनका प्रयोग आप ''महिला उद्यमियों के लिए करना चाहेंगे? ऐसी किसी एक विधि का सविस्तार वर्णन कीजिए। (10)

5. क्या आपकी राय में महिला प्रबंधक कार्यस्थल की एकसमान स्थितियों में पुरुषों जितना ही प्रभावी हो सकती हैं? अपने उत्तर की पुष्टि उदाहरण देते हुए कीजिए। (10)

6. ''महिला उद्यमियों के लिए व्यवसाय विचार चयन'' पर एक प्रशिक्षण सत्र की योजना तैयार कीजिए। निम्नलिखित की सविस्तार जानकारी दीजिए :
   - (क) चयनित लक्ष्य समूह और प्रशिक्षण आवश्यकता निर्धारण संबंधी प्रयुक्त साधन/विधियाँ (10)
   - (ख) सत्र के उद्देश्य (5)
   - (ग) सम्मिलित किए जाने वाले अंतर्वस्तु क्षेत्र (10)
   - (घ) पृष्ठभूमि/ सत्र से पहले या सत्र के दौरान परिचालित/प्रयुक्त /प्रशिक्षण सामग्रियाँ – इनकी अंतर्वस्तु एवं प्रयोग (10)
   - (ड.) प्रशिक्षण की चयनित विधियाँ (10)
   - (च) प्रत्युत्तर प्राप्त करने की विधियाँ (10)

ऋण और वित्त
(बी.डब्ल्यू.ई.ई.–008)
सत्रीय कार्य 4
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य–1)

पाठ्यक्रम कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–008
सत्रीय कार्य कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–008 / टीएमए–1 / 18–19

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1 से 5 तक के प्रश्न दस–दस अंक के हैं। प्रश्न 6 के 50 अंक हैं और इसका उत्तर देने के लिए आपको व्यावहारिक रूप से उन सिद्धांतों को लागू करना होगा जिनका अध्ययन आपने पाठ्यक्रम की प्रशिक्षण इकाइयों में किया है।

1. बचत और ऋण प्रबंधन के बारे में स्व सहायता समूहों के महिला सदस्यों को प्रशिक्षित करना हमारे लिए क्यों ज़रूरी है? सविस्तार लिखिए। (10)

2. किन्हीं दो अंतर्वस्तु क्षेत्रों का वर्णन कीजिए जिन्हें आप, महिला स्व सहायता समूहों हेतु ''सूक्ष्म ऋण के स्रोत और इनकी प्रासंगिकता और उपयुक्तता'' पर आयोजित जेंडर प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित करना चाहेंगे? (10)

3. ऐसी प्रशिक्षण सहायता सामग्री की पहचान कीजिए जिसका प्रयोग, आप ''महिला स्व सहायता समूहों में परिक्रामी ऋण प्रबंधन'' विषयवस्तु पर सहभागियों को प्रशिक्षित करने के लिए, करना चाहेंगे? सम्मिलित अंतर्वस्तु को ध्यान में रख कर सहायता सामग्री का चयन कीजिए। (10)

4. ''बचत प्रबंधन और ऋण देने संबंधी मानदंडों'' पर आयोजित प्रशिक्षण सत्र के लिए आप किन विधियों का प्रयोग करना चाहेंगे? किसी एक विधि का सविस्तार वर्णन कीजिए। (10)

5. सूक्ष्म वित्त प्रदान करने में राष्ट्रीय महिला कोष की भूमिका की चर्चा कीजिए। (10)

6. महिला स्व सहायता समूहों को ऋण प्रदान करने में ''गैर–सरकारी संगठनों और बैंकों की भूमिका'' पर प्रशिक्षण सत्र की योजना तैयार कीजिए। इस संबंध में निम्नलिखित की सविस्तार जानकारी प्रदान कीजिए :
   (क) चयनित लक्ष्य समूह और प्रशिक्षण आवश्यकता निर्धारण संबंधी प्रयुक्त साधन / विधियाँ (10)
   (ख) सत्र के उद्देश्य (5)
   (ग) सम्मिलित किए जाने वाले अंतर्वस्तु क्षेत्र (10)
   (घ) पृष्ठभूमि / सत्र से पहले या सत्र के दौरान परिचालित / प्रयुक्त / प्रशिक्षण सामग्रियाँ – इनकी अंतर्वस्तु एवं प्रयोग (10)
   (ङ.) प्रशिक्षण की चयनित विधियाँ (10)
   (च) प्रत्युत्तर प्राप्त करने की विधियाँ (10)